केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवेश - २

रविवार, ४ जुलाई, २०१० | समय : दोपहर २.०० से ४.१५ | कुल गुण : ७५

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
विभाग-२, कुल गुण		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. **आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।

३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।

४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरिक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

५. **बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. प्रश्न के गुण → | गुण : १ | | ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह

७. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

९. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

१०. **परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्युट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।**

११. **उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नही होंगे ।**

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. **Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.**
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will be considered **NOT VALID.**
6. Marks for Question → | 1 Mark | | ← Space for Examiner to write marks
7. **Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.**
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. **Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.**
11. **Answers written on extra pages will not be considered valid.**

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''हम भक्तों के नाम की माला फेरते हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''मैं तो पराये धन को धूल ही समझती हूँ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''हम तो बाई, रोटी और मसालाभरी हरी मिर्च ही खाएँगे ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. पूर्णानंद स्वामी श्रीजीमहाराज को छोड़कर नौ दो ग्यारह हो गये ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. काशीदास के यहाँ सभी प्रकार के अनाजों के ढ़ेर हो गए ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-२	

३. सभी सत्संगियों को हमेशा शाम को मन्दिर जाना चाहिए ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ ''दूबली भट्ट ।'' – **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३		प्र-४	

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. गुरु का दिया हुआ तेज क्या है ? गुण : १ [ ]

.....

.....

२. प्रमुखस्वामी महाराज का जन्म कहाँ और कब हुआ ? गुण : १ [ ]

.....

.....

३. दीक्षा के बाद राणा राजगर के दोनों भाई किस नाम से प्रख्यात थे ? गुण : १ [ ]

.....

.....

४. सच्चिदानंद स्वामी ने चातुर्मास में किन दो नियम लिये ? गुण : १ [ ]

.....

.....

५. व्यापकानंद स्वामी ने किस गाँव में किसकी घोड़ी को जीवित की ? गुण : १ [ ]

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ ''एक व्यक्ति ने लाख....'' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए । (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-५		प्र-६	

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. मोहि में तव .....

.....

..... समागम मोय । गुण : २ [ ]

२. भवदु:ख टळे .....

.....

.....

..... करी लीजे । गुण : २ [ ]

३. दुष्प्राप्यमन्यै: .....

.....

..... नमामि । गुण : २ [ ]

४. सदैव सारंगपुरस्य ..... श्रीस्वामिनारायणमानमामि ॥ – श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

.....

.....

.....

..... गुण : २ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-७	

विभाग - २ : शास्त्रीजी महाराज

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''हम सत्संगी की प्रथा के विरुद्ध तो कुछ भी नहीं करते हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''पादुकाएँ जिन चरणों की हैं, वे श्रीजीमहाराज मैं उनको समर्पित करुँगा ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''वही अड़सठ तीरथवाला भजन गाइये ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. वरताल में पूर्णिमा की सभा बिना कथावार्ता किये बिखर गई ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. मोतीभाई की शंका का समाधान हो गया और 'श्री सारंगपुर की शोभा.....' कीर्तन उन्हों ने बनाया ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८		प्र-९	

३. शास्त्रीजी महाराज ने गुणातीतानंद स्वामी की मूर्ति के सामने प्रार्थना की ''हे स्वामी ! आपके लिये ही तो हमलोग वडताल से निकल गये ।''

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ९ ''जागा भक्त के आशीर्वाद ।'' – **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१०		प्र-११	

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. बोचासण में अक्षरपुरुषोत्तम महाराज किस संवत् में बिराजे ? गुण : १

.....

.....

२. गढ़डा की मूर्तियों की आरती उतारकर शास्त्रीजी महाराज क्या बोले ? गुण : १

.....

.....

३. गोंडल मंदिर बनाने के लिए महाराजा ने कितने रुपये खर्च करने की शर्त रखी ? गुण : १

.....

.....

४. अक्षरपुरुषोत्तम महाराज सर्व प्रथम किस मंदिर में बैठे ? गुण : १

.....

.....

५. यज्ञपुरुषदास के जन्माक्षर देखकर ज्योतिषी ने क्या कहा ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. झोला मांगने के पीछे स्वामीश्री का आशय । गुण : २

(१) [ ] आप अनाज माँगने निकले यह तो हमारे लिये शर्मनाक बात होगी ।

(२) [ ] मेरे झोले में अनाज का एक कण डालनेवाले को भी अक्षरधाम में ले जाना है ।

(३) [ ] ज्ञानजीवनदासजी बाहर नीकले तो अक्षरपुरुषोत्तम के मन्दिर बनवा सके ।

(४) [ ] अक्षरपुरुषोत्तम के लिये यदि श्वपच-कसाई के हाथों बिकना पड़े तो वह भी करने को मैं तैयार हूँ ।

२. संतों की प्रेरणा से स्वामीश्री के संकल्प को बल मिला । गुण : २

(१) [ ] आप तो गुणातीतानन्द स्वामी के प्रति निष्ठा रखते हैं, और बड़ों बड़ों के कृपापात्र हैं ।

(२) [ ] महाराज और स्वामी इन दोनों की मूर्तियों की एक साथ प्रतिष्ठा करवाइये न !

(३) [ ] हम लोग भादरा में ऐसा करना चाहते थे, पर नहीं हो सका ।

(४) [ ] चाँदी की मूर्तियों की प्रतिष्ठा हो इसके लिए मैं तो तैयार ही हूँ ।

३. सारंगपुर में जमीन की प्राप्ति । गुण : २

(१) [ ] ये विरोधी है, गाँव में आवें तो निकाल देना ।

(२) [ ] लीमडी के दीवान ने ठाकुर साहब से कहकर चोबीस एकड़ भूमि दिलवा दी ।

(३) [ ] विशेष भूमि धंधुका के शिरमिया के पास से प्राप्त की ।

(४) [ ] इन साधुओं ने संप्रदाय और मन्दिर के विरुद्ध विद्रोह किया है ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१२	

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **विद्यारम्भ :** एक समय पीज गाँव में एक माणभट्ट आये, वे धातु की थाली बजाकर रामायण की कथा कहते थे । प्रागजी भक्त ने एक बार कथा सुनी और कण्ठस्थ हो गई ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **प्रौढ़ प्रताप :** निर्गुणदास स्वामी को बुलाकर उन्होंने कहा कि मूर्तियों कि कीमत हम देंगे, आप मूर्तियाँ बनवाने के लिये जब अटलादरा जाये तो कहियेगा, हमारा आदमी आपके साथ जायेगा ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **परिवर्तन :** वे बोल उठे, 'काशीदास को सत्संगी बनानेवाले निर्गुणस्वामी का यदि रघुवीरजी महाराज होते तो, वे सत्संग मे उन्हें प्रमुख स्थान देकर, दो जोड़ी पादुकाएँ (श्रीहरि के पदचिन्ह) समर्पित कर बहुत सम्मान करते।'

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **विरोध की आँधी :** वड़ताल के दो सो पार्षदो में शास्त्री कमलयनयन जैसा सभी प्रकार से स्त्री और धन से परहेज करनेवाला शुध्ध त्यागी साधु आजतक मैंने नहीं देखा, उनकी बातें मुझे साटा और जिलेबी की तरह मीठी लगती हैं ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

५. **इन्द्र को आह्वान :** वृन्दावन से एक नये हरिभक्त लक्ष्मीदास शेठ स्वामीश्री की महिमा की बात सुनकर आये थे, उन्होंने संकल्प किया कि वृन्दावन में मन्दिर बन जाय, कृष्ण परमात्मा के दर्शन हो जायें तभी अन्नग्रहण करना ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

६. **दिल की सफाई का साधन :** तुम लोगों के दादाजी यदि मन्दिर में रहते हैं, जगते हैं, बातें करते हैं, निर्जल उपवास करते हैं, इसको तुमलोग बिगडना कहोगे या सुधरना?

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**